27.7.

Μνήμη τού Αγίου Μεγαλομάρτυρος καί ιαματικού Παντελεήμονος.

С҃та́гѡ великомч҃нника и҆ цѣли́телѧ пантелеи́мона.

2. hlas Byz. / ZR

..
Αναργύρως τήν χάριν
Μητρός ευσεβούς
Απεσείσω τήν πλάνην

Byzantská tradícia: **Am, Vi**

Ruská tradícia predreformná: **S439, Pp**

Ruská tradícia poreformná: **–**

.

© 2013 irmologion.nfo.sk

Εις τήν Λιτήν, Ήχος β' Ανατολίου

Αναργύρως τήν χάριν ah.G
παρέχεις τοίς ανθρώποις, xG -a
Παντελεήμον Μάρτυς ένδοξε, xxE

καί πνεύματα GF.D
διώκεις * τή επικλήσει Χριστού, xxG
καί τυφλοίς αναβλέπειν δεδώρησαι aF.D
ως αυτού θεράπων γνήσιος, xxE -a

Αλλά πρέσβευε GF.E Ιατρέ, παμμακάριστε, xxG
τού δωρηθήναι τώ κόσμω *
ειρήνην σταθηράν, xxG
καί τοίς σέ ποθούσι μέγα έλεος. xxE

И҆́ны стїхи̑ры, гла́съ в҃. Самогла́сны. А҆натѡ́лїево:

Безме́зднѡ бл҃года́ть даѐши человѣ́кѡмъ,
пантелеи́моне мч҃ниче сла́вне,
и҆ дꙋ́хи ѿго́ниши призыва́нїемъ хрⷭ҇то́вымъ,
и҆ слѣпы̑мъ ви́дѣти да́рꙋеши,
ꙗ҆́кѡ тогѡ̀ ᲂу҆го́дникъ и҆́скреннїй.
но молѝ врачꙋ̀, всебл҃же́нне,
дарова́ти мі́рꙋ ми́ръ тве́рдъ,
и҆ тѧ̀ лю́бѧщымъ ве́лїю ми́лость.

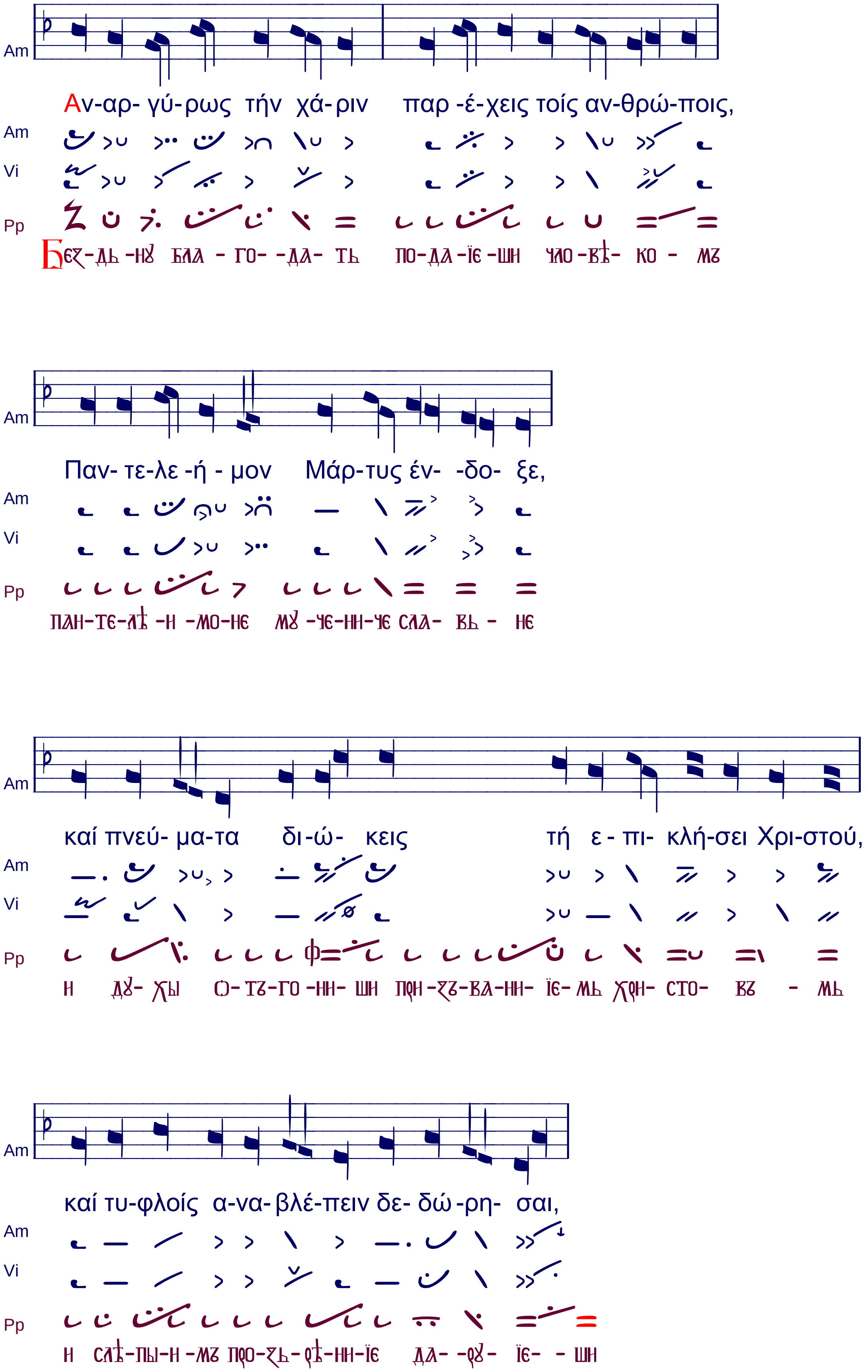
Am
Αν-αρ- γύ-ρως τήν χά-ριν παρ -έ-χεις τοίς αν-θρώ-ποις,
Am
Vi
Pp
Без-дь-нꙋ бла - го- -да- ть по-да-є-ши чло-вѣ- ко - мъ
Am
Παν- τε-λε -ή - μον Μάρ-τυς έν- -δο- ξε,
Am
Vi
Pp
пан-те-лѣ -и -мо-не мꙋ -че-ни-че сла- вь - не
Am
καί πνεύ- μα-τα δι-ώ- κεις τή ε- πι- κλή-σει Χρι-στού,
Am
Vi
Pp
и дꙋ- хы о- тъ-го -ни- ши при-зъ-ва-ни- ѥ- мь хри- сто- въ - мь
Am
καί τυ-φλοίς α-να-βλέ-πειν δε- δώ-ρη- σαι,
Am
Vi
Pp
и слѣ-пы-и -мъ про-зь-рѣ-ни-ѥ да- -рꙋ- ѥ- - ши

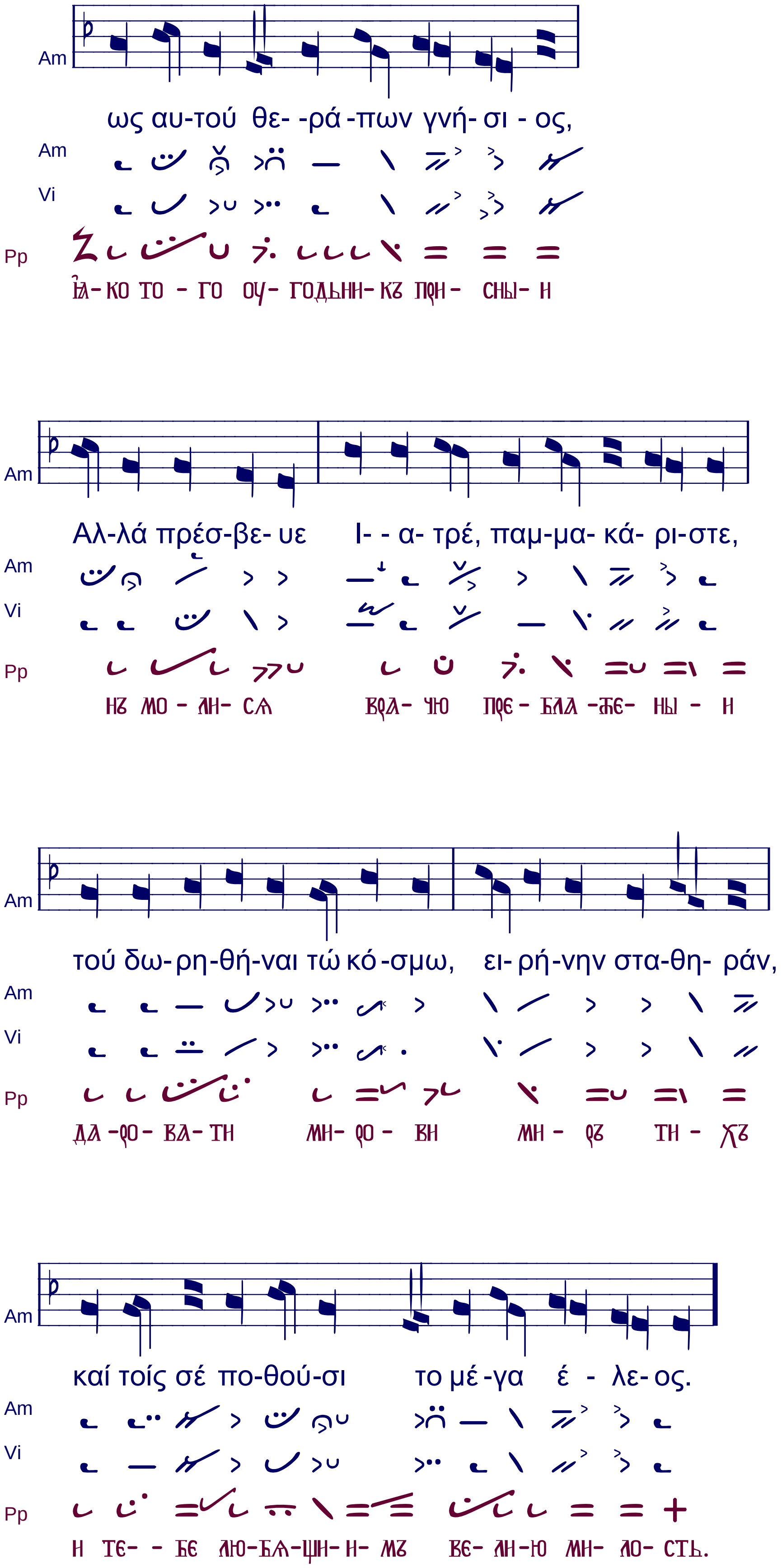

Am
ως αυ-τού θε- -ρά -πων γνή- σι - ος,
Am
Vi
Pp
ꙗ҆- ко то - го оу- годьни- кꙋ при- сны- и
Am
Αλ-λά πρέσ-βε- υε Ι- - α- τρέ, παμ-μα- κά- ρι-στε,
Am
Vi
Pp
нꙋ мо - ли- сѧ вра- чꙋ пре - бла -жє- ны - и
Am
τού δω-ρη-θή-ναι τώ κό-σμω, ει- ρή-νην στα-θη- ράν,
Am
Vi
Pp
да -ро- ва- ти ми- ро - ви ми - рꙋ ти - хꙋ
Am
καί τοίς σέ πο-θού-σι το μέ -γα έ - λε- ος.
Am
Vi
Pp
и те- - бе лю-бѧ-щи- и- мꙋ ве- ли-ю ми- ло- сть.

Ο αυτός Τού αυτού

Μητρός ευσεβούς Ga.hh.h   επιποθήσας πίστιν, yxh
τού πατρός διωρθώσω τήν ασέβειαν, xxE -G

ταίς γάρ Ερμολάου yhστηριχθείς διδασκαλίαις, xG
εν τούτω καί τό Βάπτισμα ετέλεσας, xG
Παντελεήμον Μάρτυς ένδοξε,
τού ελεήμονος Θεού, xxE

τών νοσούντων * θεραπευτά,   καί τών παθών διώκτα, xxG
Πρέσβευε λυτρωθήναι xG -a   εκ περιστάσεως, xxG
τούς εν πίστει τελούντας, xG -a
τήν αεισέβαστον Μνήμην σου. xxE

Ма́тере благочести́выѧ   возжела́лъ є҆сѝ вѣ́рꙋ,
Ѻ҆́ч҃ее и҆спра́вилъ є҆сѝ нече́стїе:
є҆рмола́а бо   ᲂу҆тве́рждсѧ ᲂу҆че́нїи,
си́мъ и҆ креще́нїе соверши́лъ є҆сѝ,
пантелеи́моне мꙋ́чениче сла́вне,   ми́лостивагѡ бг҃а,
недꙋ́гꙋющихъ врачꙋ̀,   и҆ страсте́й ѿгони́телю,
молѝ и҆зба́витисѧ   ѿ напа́стей
вѣ́рою творѧ́щымъ   пречестнꙋ́ю па́мѧть твою̀.

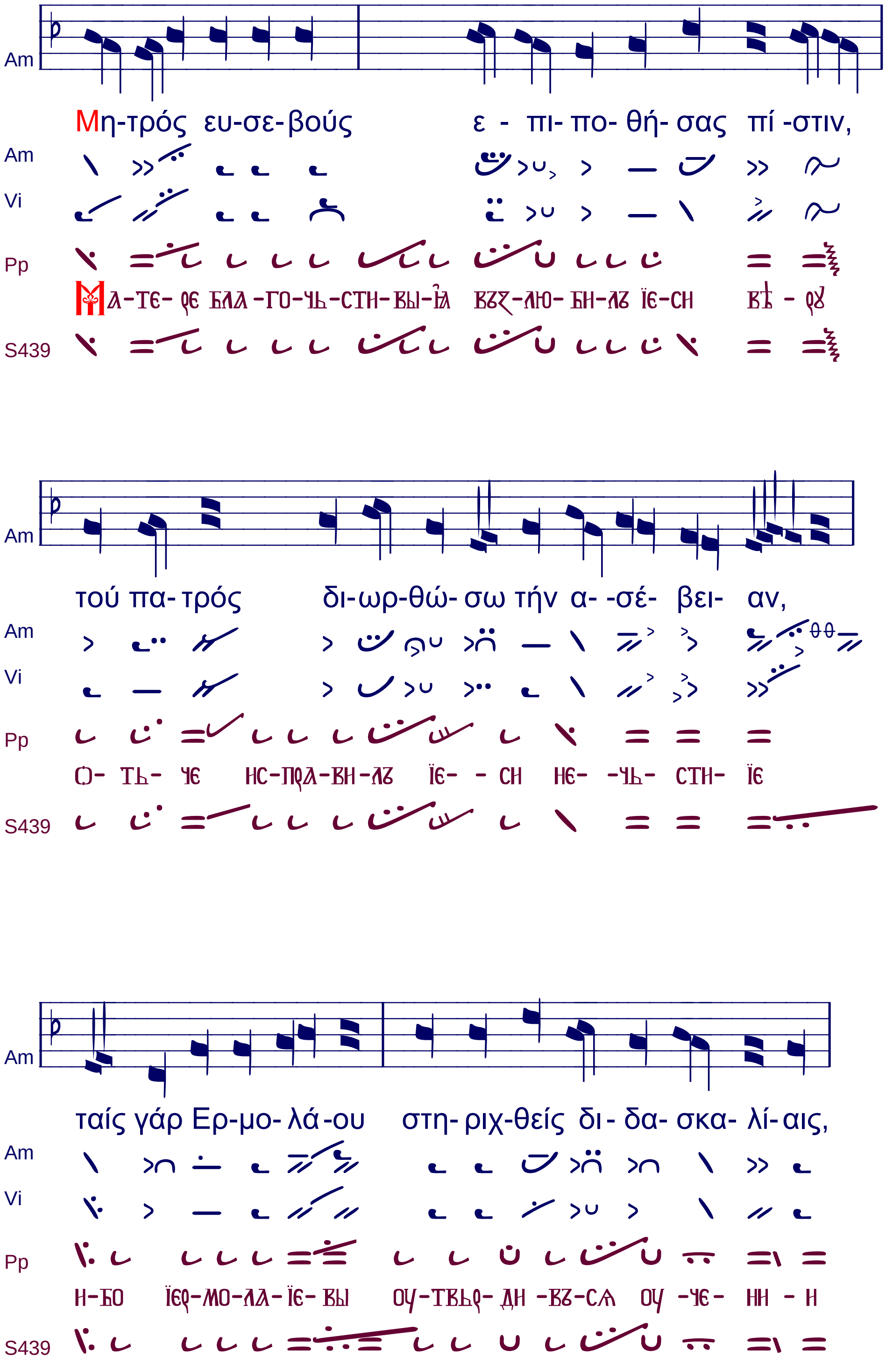
Am
Μη-τρός ευ-σε-βούς ε - πι- πο- θή- σας πί -στιν,
Am
Vi
Pp
S439
Am
τού πα- τρός δι-ωρ-θώ- σω τήν α- -σέ- βει- αν,
Am
Vi
Pp
S439
Am
ταίς γάρ Ερ-μο- λά -ου στη- ριχ-θείς δι - δα- σκα- λί- αις,
Am
Vi
Pp
S439

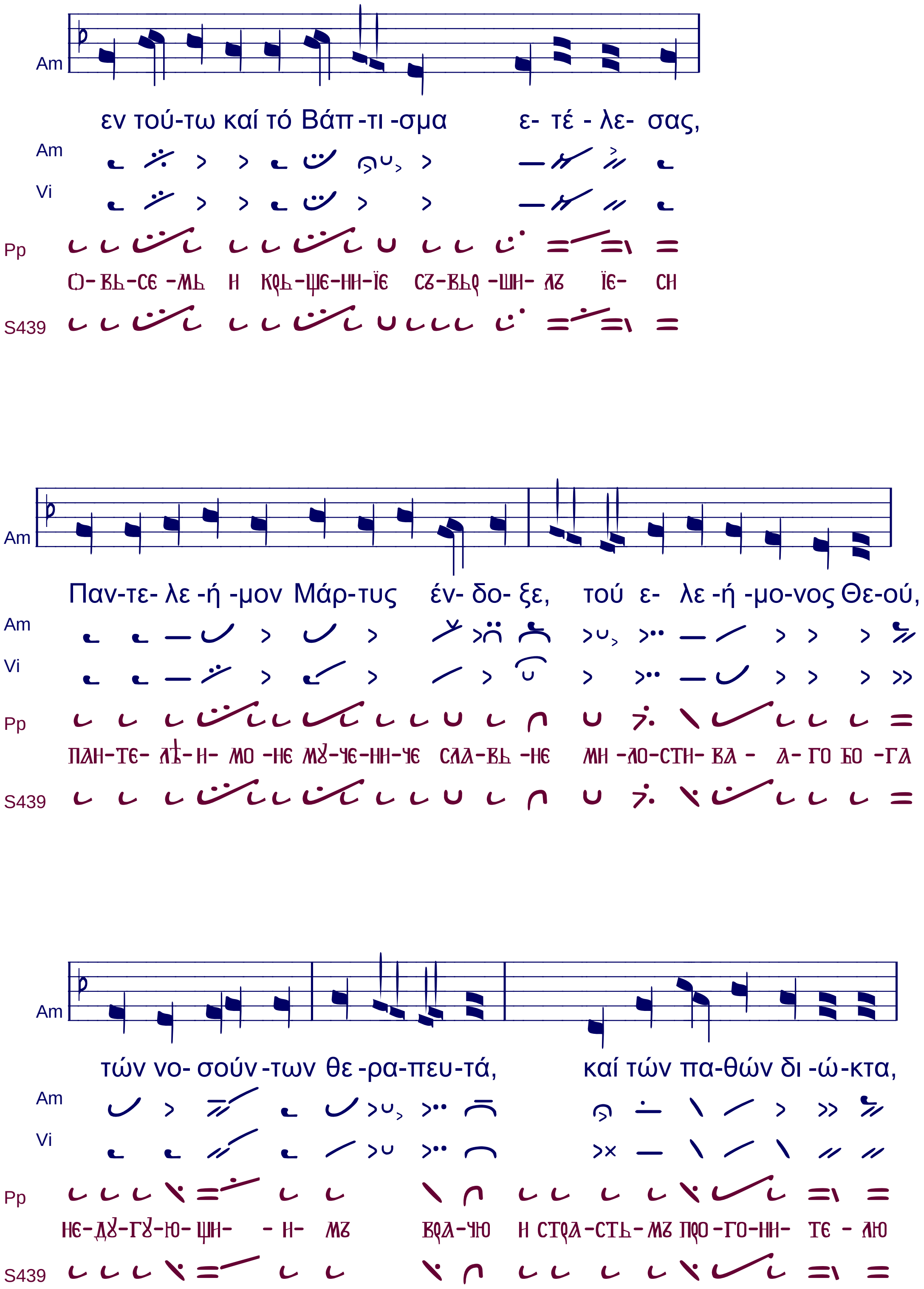
Am
εν τού-τω καί τό Βάπ-τι-σμα ε- τέ - λε- σας,
Am
Vi
Pp
Ѡ-ВЬ-СЄ-МЬ И КРЬ-ЩЄ-НИ-ЇЄ СЗ-ВЬР-ШИ-ЛЗ ЇЄ- СИ
S439
Am
Παν-τε- λε -ή -μον Μάρ-τυς έν- δο- ξε, τού ε- λε -ή -μο-νος Θε-ού,
Am
Vi
Pp
ПАН-ТЄ-ЛѢ-И-МО-НЄ МУ-ЧЄ-НИ-ЧЄ СЛА-ВЬ-НЄ МИ-ЛО-СТИ-ВА-А-ГО БО-ГА
S439
Am
τών νο- σούν-των θε -ρα-πευ-τά, καί τών πα-θών δι -ώ-κτα,
Am
Vi
Pp
НЄ-ДУ-ГУ-Ю-ЩИ-И-МЗ ВРА-ЧЮ И СТРА-СТЬ-МЗ ПРО-ГО-НИ-ТЄ-ЛЮ
S439

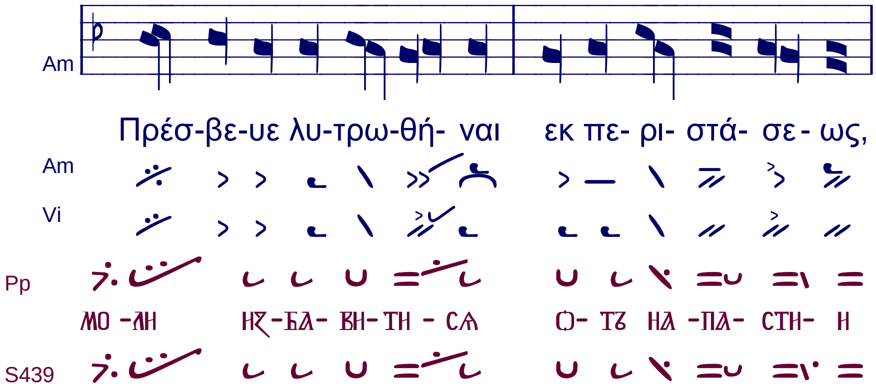
Am
Πρέσ-βε-υε λυ-τρω-θή- ναι εκ πε- ρι- στά- σε - ως,
Am
Vi
Pp
МО -ЛИ ИЗ-БА- ВИ-ТИ - СѦ Ѡ- ТЪ НА -ПА- СТИ- И
S439

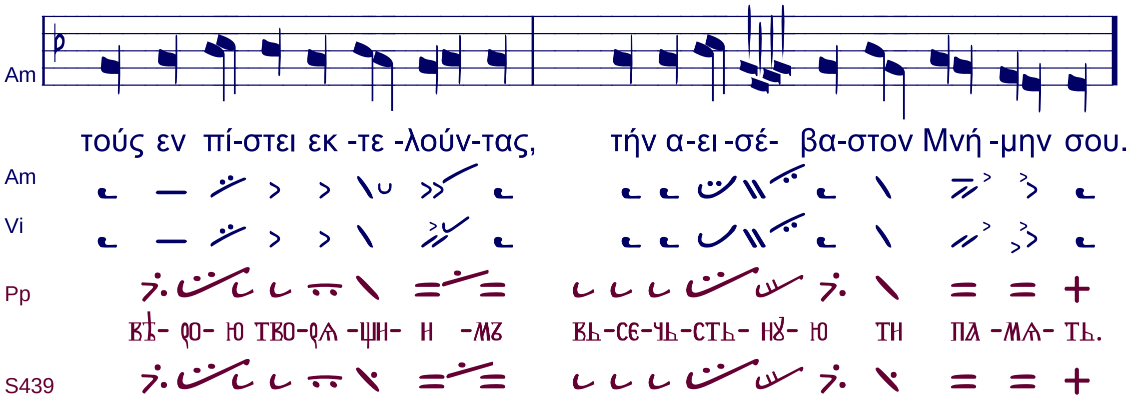
Am
τούς εν πί-στει εκ -τε -λούν-τας, τήν α-ει -σέ- βα-στον Μνή -μην σου.
Am
Vi
Pp
ВѢ- РО- Ю ТВО-РѦ -ЩИ- И -МЪ ВЬ-СЕ-ЧЬ-СТЬ- НѪ- Ю ТИ ПА -МѦ- ТЬ.
S439

Ο αυτός Τού αυτού

Απεσείσω Ga.h τήν πλάνην τού πατρός * πανένδοξε, xxh
καί τούς λόγους τής μητρός a.hG -a εμφρόνως δεξάμενος, FE.D
υπέρ χρυσίον * εκαρποφόρησας * κατά τήν τού Κυρίου φωνήν, xxE

καί Ιατρός yh** άριστος ανεδείχθης, xG -a
Παντελεήμον Μάρτυς ένδοξε, xxE-d

Βαίνων δέ εν χάριτι εν τή οδώ, *xxh*
εύρες Gc.a κείμενον * χαμερπές νήπιον, FE.D

υπό εχίδνης δηχθέν xG καί πρός Θεόν ευξάμενος, cG.E
καί εκτενώς δυσωπήσας, *
ευθύς τόν παίδα ανέστησας, aF.D
καί τό θηρίον διεσπάραξας, xxE

Διό Ga.h** μνημόνευε καί ημών, *xxh*
τών εν πίστει σου τελούντων Gc.a τό μνημόσυνον. xxG
οπως ευρωμεν ελεος ha.G -a εν τη ημερα της κρισεως. xxE

ѿри́нꙋлъ є҆сѝ прє́лесть ѻ҆тца̀, всесла́вне,
и҆ словеса̀ ма́тернѧ смы́сленнѡ прїе́мь,
па́че зла́та пло́дъ принесѐлъ є҆сѝ, по гдⷭ҇ню гла́сꙋ:
и҆ вра́чь и҆зрѧ́денъ ꙗ҆ви́лсѧ є҆сѝ, пантелеи́моне мꙋ́чениче сла́вне.
ше́ствꙋѧ же бл҃года́ти пꙋте́мъ, ѡ҆брѣ́лъ є҆сѝ лежа́ща ни́зꙋ младе́нца,
є҆хі́дною ᲂу҆грызе́на: и҆ къ бг҃ꙋ моли́твꙋ сотвори́въ
и҆ прилѣ́жнѡ помоли́всѧ, а҆́бїе ѻ҆́трока воскреси́лъ є҆сѝ,
и҆ ѕвѣ́рѧ растерза́лъ є҆сѝ.
тѣ́мже помина́й на́съ,
вѣ́рою творѧ́щихъ твоѧ̀ па́мѧть,
ꙗ҆́кѡ да ѡ҆брѧ́щемъ ми́лость въ де́нь сꙋ́дный.

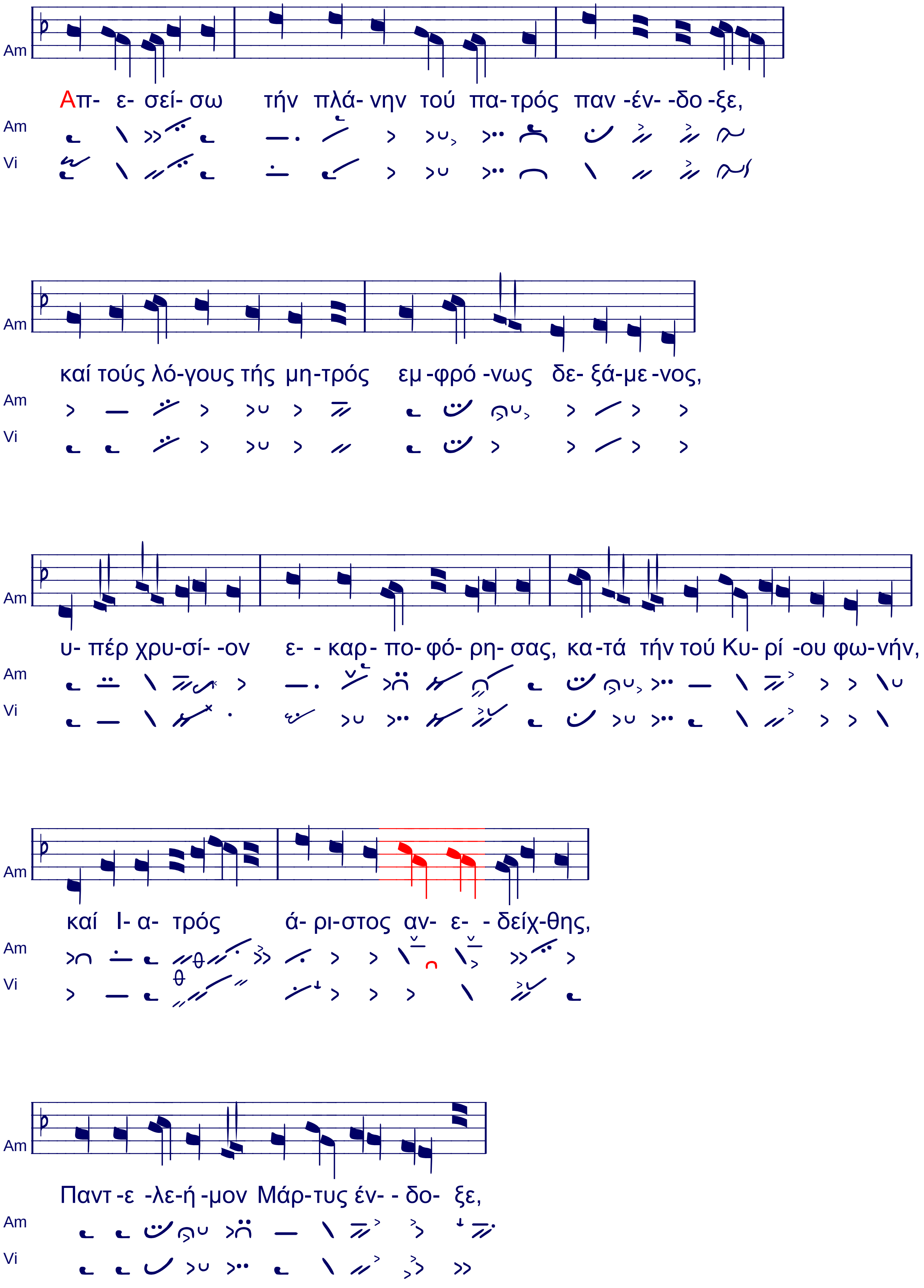
Aπ- ε- σεί- σω τήν πλά- νην τού πα- τρός παν -έν- -δο -ξε,
καί τούς λό-γους τής μη-τρός εμ -φρό -νως δε- ξά-με -νος,
υ- πέρ χρυ-σί- -ον ε- - καρ- πο- φό- ρη- σας, κα -τά τήν τού Κυ- ρί -ου φω-νήν,
καί Ι- α- τρός ά- ρι-στος αν- ε- - δείχ-θης,
Παντ -ε -λε-ή -μον Μάρ-τυς έν- - δο- ξε,

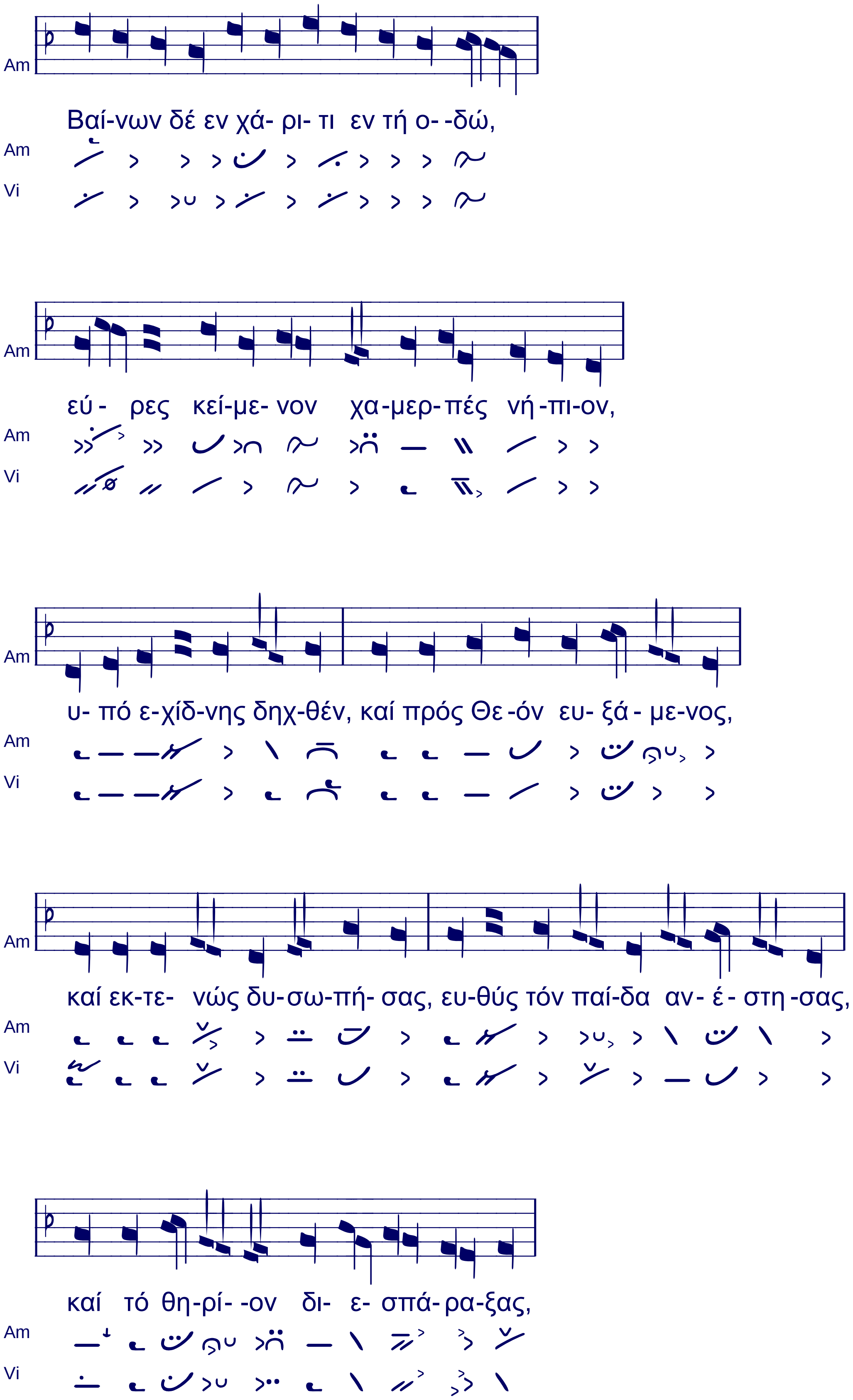
Am
Βαί-νων δέ εν χά- ρι- τι εν τή ο- -δώ,
Am
Vi
Am
εύ - ρες κεί-με- νον χα-μερ-πές νή-πι-ον,
Am
Vi
Am
υ- πό ε-χίδ-νης δηχ-θέν, καί πρός Θε-όν ευ- ξά - με-νος,
Am
Vi
Am
καί εκ-τε- νώς δυ-σω-πή- σας, ευ-θύς τόν παί-δα αν- έ- στη -σας,
Am
Vi
Am
καί τό θη-ρί- -ον δι- ε- σπά- ρα-ξας,
Am
Vi

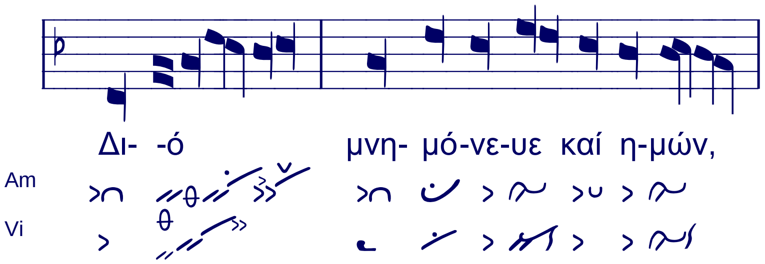

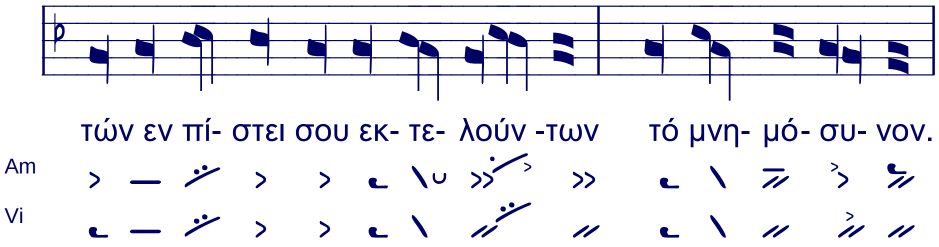

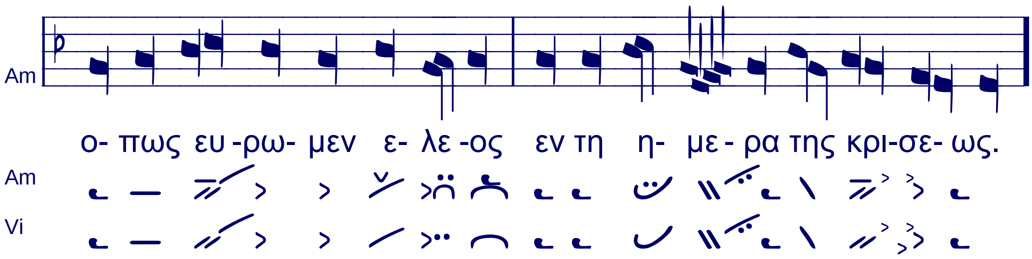

© 2013 irmologion.nfo.sk